प्रताप-पुस्तक-माला की ४ थी पुस्तक।

राष्ट्रीय-वीणा

राष्ट्रीय-वीणा में बजें स्वाधीन-जीवन तार।
निज मातृ-भाषा-देश की होती रहे झङ्कार॥

प्रथम भाग

[प्रताप भाग १ और २ की देश-भक्ति पूर्ण
कविताओं का संग्रह]

संग्रहकर्ता और प्रकाशक
शिवनारायण मिश्र वैद्य

प्रताप पुस्तकालय
कानपुर

चतुर्थ संस्करण २००० | १९२१ | मूल्य ॥=) दस आने

सर्वाधिकार प्रकाशक द्वारा सुरक्षित।